(c) and (d) Stringent action is taken against the persons found involved in smuggling activities both departmentally as well as through prosecution in the Courts. Apart from confiscation of the goods involved, imposition of personal penalties on the persons concerned, preventive detention under the COFEPOSA Act is also resorted to in appropriate cases.

Shortage of small coins and currency notes in Gujarat

381. SHRI RAMSINGHBHAI PATALIYABHAI RATHVAKOLI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is an acute shortage of small coins and currency notes in various districts of Bulsar, Vadodra, Surat, Khera and Anand;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether people in towns and cities particularly in villages are facing difficulties for getting the same;

(d) if so, what action has been taken to provide sufficient number of small coins and currency notes to them; and

(e) what are the details of small coins and currency notes given to various banks and other distributing agaencies in the above districts so far during 1985?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) to (c) The information is being collected and would be placed on the Table on the House.

Income-tax raids in Gujarat

382. SHRI RAMSINGHBHAI PATALIYABHAI RATHVAKOLI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of Income-tax raids and searches were conducted in various parts of Gujarat during 1st January, 1985 to 31st October, 1985;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what amount of concealed income has been detected during such raids?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) to (c) Yes, Sir. During the period 1st January, 1985 to 31st October 1985, Income-tax Department conducted 308 searches in Gujarat and seized prima-facie unaccounted assets worth Rs. 1.57 crores approximately.

Fake agencies recruiting labourers for sending abroad

383. SHRI RAMSINGHBHAI PATALIYABHAI RATHVAKOLI: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a number of fake agencies and agents are recruiting labourers for sending them to foreign countries;

(b) if so, what action has been taken against such agencies and agents during the last three years, year-wise;

(c) whether Government have received any complaints from labourers during the above period; and

(d) if so, what are the details thereof and what action has been taken against each such agent/ agency?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI T. ANJAIAH): (a) Yes, Sir.

(b) Information is not available. It will be laid on the table of the House when received.

(c) Yes, Sir.

(d) Information is not available. It will be laid on the table of the House when received.

कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र

384. **श्री मंजूर इर्शादबेग :** क्या **वाणिज्य** मंत्री 6 अगस्त, 1985 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 1299 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र का नियंत्रण करने और उसका प्रशासन चलाने के लिए एक केन्द्रीय प्राधिकरण का गठन करने के संबंध में कितनी प्रगति की है ; और

(ख) इस संबंध में गुजरात सरकार द्वारा दिए गए अभ्यावेदन का ब्यौरा क्या है और इस मामले को कब तक निपटाने जाने की सम्भावना है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) तथा (ख) केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय प्राधिकरण बनाने का कार्य आरम्भ कर दिया है, जो केवल कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र का बल्कि देश में सभी निर्यात प्रोसेसिंग क्षेत्रों का नियंत्रण और संचालन करेगा। इस संबंध में गुजरात सरकार से कोई विशेष अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलें

385. **श्री रामचन्द्र विकल :** क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन कितनी मिलें है;

(ख) इन में से कितनी मिलें रुग्ण हैं तथा वे कहां-कहां स्थित हैं;

(ग) क्या सरकार ने इन मिलों के कार्यकरण का अध्ययन करने के लिए किसी दल की नियुक्ति की है; और

(घ) यदि हां, तो इस अध्ययन दल की सिफारिशें क्या हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान) : (क) इस समय राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन 125 वस्त्र मिलें हैं अर्थात् 103 राष्ट्रीयकृत मिलें तथा 22 प्रबंधित एकक (इनमें से 123 मिलें प्रचालन में हैं)।

(ख) तथा (ग) राष्ट्रीकृत वस्त्र निगम के अधीन मिलों के निष्पादन की समीक्षा से पता चला कि इस समय 22 मिलों (19 राष्ट्रीयकृत तथा तीन प्रबंधित) में ही 1981–82 तथा 1982–83 के वर्षों के दौरान कुल हानियों के बड़े भाग का संबंध था। 8 अत्यन्त कमजोर मिलों के कार्य चालन की गहराई से अध्ययन करने के लिए सरकार द्वारा एक अध्ययन दल का गठन किया गया। इन 8 मिलों की सूची संलग्न विवरण में दी गई है।

(घ) इस दल ने इन मिलों में केवल निवेश वृद्धि करके अर्थक्षमता के अभाव की रिपोर्ट दी। यह महसूस किया गया कि इस मामले पर इन मिलों की अर्थक्षमताओं के संबंध में अन्तिम निर्णय लिये जाने से पूर्व मिल स्तर तथा एन० टी०सी० नियंत्रक कम्पनी के स्तर पर कामगारों के प्रतिनिधियों के साथ आगे विचार विमर्श किये जाने की जरूरत है।

विवरण

आठ अत्यन्त कमजोर मिलों की सूची :

1. इन्दौर मालवा युनाइटेड मिल्स, इन्दौर (मध्य प्रदेश)

2. कल्याणमल मिल्स, इन्दौर (मध्य प्रदेश)

3. स्वदेशी काटन एंड फ्लौर मिल्स, इन्दौर (मध्य प्रदेश)

4. हीरा मिल्स, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

5. मैसूर स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स, बंगलौर (कर्नाटक)